सृजनात्मक विभाग के उत्तर

1. बरसते बादल

PART - A

I. 1. बूँदों के स्वर रिमझिम-रिमझिम कहते हैं ।
2. वर्षा की बूँदों के छूने से रोम सिहर उठते हैं ।
3. वर्षा की धारा झरने लगती है ।
4. धरा, भूमि, भू ।
5. यह पद्यांश ''बरसते बादल'' कविता पाठ से लिया गया है ।

II. 1. बरसते, चमकती ।
2. खेत लहलहाते रहे हैं ।
3. वन-उपवन खूब महक दिख रहे हैं ।
4. प्रकृति माँ के बारे में बताया गया है ।
5. ये युग्म शब्द हैं जो व्याकरण में एक भाग है ।

III.1. साधारणतया वर्षा ऋतु का आगमन सावन के महीने में होता है । वर्षा ऋतु के कारण प्रकृति में स्थित हर चीज हमारे मन को छू लेती हैं । हर जगह कोमल अंकुर फूटने लगती हैं । प्रसन्नता की झलक दिखायी देती है । चारों तरफ धरती की हरियाली के कारण शोभा बढ़ जाती है । मेंढ़क और मोर, चातक और सोनबालक जैसे पक्षी आनन्द विभोर हो जाती हैं । इन सब को देखकर कवि को लगता है कि ''सावन का महीना फिर-फिर आए'' ।

2. ''बरसते बादल'' कविता में कवि ने सावन के महीने में बरसने वाली वर्षा ऋतु के बारे में उल्लेख किया है । साथ ही उन पशु पक्षियों का भी उल्लेख किया है जिन्हें वर्षा ऋतु के आगमन की प्रतीक्षा लगी रहती है । जैसे कि मेंढ़कों के टर्राने की आवाज, मोर के म्यव-म्यव की आवाज से नाचना, झींगुरों के झन-झन की आवाज, चातक पक्षियों का एक समूह बनाकर उड़ना, सोनबालक पक्षी का आर्द सुख से क्रंदन करना आदि का उल्लेख किया है । इन सभी पशु पक्षियों को सावन के महीने में बरसते बादलों की प्रतीक्षा रहती है ।

PART - B

1) D	2) A	3) C	4) B	5) B
6) A	7) B	8) B	9) A	10) C
11) D	12) A	13) B	14) C	15) D
16) D	17) A	18) D	19) D	20) C
21) C	22) D	23) D	24) C	25) D
26) C	27) C	28) A	29) B	30) A

2. ईदगाह

PART - A

I. 1. अमीना बोली ''यह कैसा बेसमझ लडका है कि दोपहर हुई, कुछ खाया न पिया । लाया क्या, चिमटा !
2. हामिद ने अपराधी भाव से कहा - ''तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, यह मुझसे देखा न जाता था अम्मा । इसलिए मैं लिवा लाया ।
3. हामिद की दीन भाव से भरी जवाब सुनकर अमीना का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया ।
4. जब हामिद मेले में गया था वहाँ उसके सारे दोस्तोंने खिलौने, मिठाई खरीदे थे लेकिन हामिद ने अपनी दादी के लिए एक लोहे के चिमटे को खरीदा । वहाँ पर भी इस बूढी दादी को याद किया, इस प्रकार अमीना का दिल गदगद हो गया ।
5. यह गद्यांश ईदगाह पाठ से दिया गया है ।

II. 1) B 2) D 3) D 4) A 5) B

III.1. प्रेमचंद जी का जन्म 31 जुलाई, 1880 में एक गरीब घराने में काशी में हुआ । बचपन में उनका नाम धनपत राय श्रीवास्तव था । इन्होंने ट्यूशन पढ़ाते हुए मैट्रिक और नौकरी करते हुए बी.ए. पास किया । इन्होंने लगभग एक दर्जन उपन्यास और तीन सौ से अधिक कहानियों की रचना की । इसीलिए इन्हें ''उपन्यास सम्राट'' भी कहा जाता है । इनके प्रमुख उपन्यास गोदान, गबन, निर्मला, सेवासदन, कर्मभूमि आदि प्रमुख हैं ।

2. रमज़ान का महीना है । पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आई है । लोग ईदगाह जाने की तैयारियाँ कर रहे हैं । बच्चे सबसे अधिक खुश लग रहे हैं । लेकिन बच्चों में सबसे अधिक प्रसन्न है - हामिद । हामिद भोली सूरत का चार-पाँच साल का लड़का है । उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है । अब वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता है । लेकिन हामिद की दादी अमीना उस दिन दुखी है । क्योंकि उसके पास हामिद को देने के लिए पैसे नहीं है । वह बड़ी मुश्किल से हामिद के लिए तीन पैसे जुटा पाई है । वह हामिद को मेले में खर्च करने के लिए तीन पैसे देती है । हामिद खुशी-खुशी अपने दोस्तों के साथ मेला देखने निकल पड़ता है । ईदगाह गाँव से तीन कोस दूर शहर में है । ईदगाह के पास ही मेला लगा है । हामिद को वहाँ लोहे की दुकान दिखाई देती है । वहाँ कई चिमटे रखे है । हामिद सोचता है कि तवे से रोटियाँ उतारते समय उसकी दादी का हाथ जल जाते हैं । वह पूरे तीन पैसे देकर चिमटा खरीद लेता है । वह मेले में कुछ भी नहीं खाता है । अपने लिए भी कुछ नहीं लेता है । अमीना उसका यह त्याग देखकर बहुत प्रसन्न होती है । उसका मन

गदगद हो जाता है । वह आँचल फैलाकर हामिद को दुआएँ देती है । इस प्रकार ईदगाह कहानी में हामिद का बाल सहज चरित्र उभर कर आया है । बड़ों के लिए त्याग उसके चरित्र की प्रमुख विशेषता है ।

PART - B

1) C	2) A	3) B	4) A	5) B
6) D	7) A	8) A	9) B	10) C
11) A	12) D	13) C	14) A	15) C
16) D	17) B	18) A	19) B	20) A

3. हम भारतवासी

PART - A

I. 1. मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्भुत दृश्य दिखायेंगे ।
2. हम भारतवासी समर्पण की बगिया महकायेंगे ।
3. धरती को स्वर्ग बनाने के लिए सभी क्लेश मिटाने होंगे ।
4. हम दुनिया में विश्वबंधुत्व का मूल मंत्र सरसायेंगे ।
5. यह पद्यांश'' हम भारतवासी'' नामक कविता से लिया गया है ।

II. 1) A 2) C 3) D 4) B 5) A

III. 1.
- मानवता, सहानुभूति, सर्वधर्म, समभावना, सत्य, अहिंसा आदि सद्गुणों को अपनाऊँगा ।
- विविध देशों के निवासियों से संपर्क स्थापित करूँगा।
- देश-विदेश घूमकर विश्वबंधुत्व की भावना का प्रचार-प्रसार करूँगा ।
- ऊँच-नीच का भेद मिटाकर एकता की भावना जगाऊँगा ।
- खुशियों के दीप जलाकर जीवन ज्योति जलाऊँगा ।
- सारे क्लेशों को मिटाकर धरती को स्वर्ग बनाऊँगा ।
- भाईचारे की भावना को जागृत करूँगा ।
- मन में प्रेम, श्रद्धा का अद्भुत दृश्य दिखाऊँगा ।

2. 'हम भारतवासी' कविता के कवि श्री आर. पी. निशंक हैं । कवि ने इस कविता में देश भक्ति के साथ-साथ विश्वबंधुत्व के मंत्र का भी उल्लेख किया है ।

कवि कहते हैं कि हम भारतवासी इस दुनिया को पावन धाम बनायेंगे । मन में श्रद्धा और प्रेम की भावना जगायेंगे । ऊँच-नीच का भेद मिटाकर सबके दिलों में प्यार बाँटेंगे । नफ़रत की भावना को तोड़कर अमृत रस बरसायेंगे । लोगों में आशा की किरण जगायेंगे । समस्याओं में उलझे हुए लोगों को तथ्य दीप के दर्शन करायेंगे । भटके राही को सही रास्ता दिखायेंगे । लोगों में खुशियों के दीप जलाकर जीवन ज्योत जलायेंगे ।

कवि और भी यह कहते हैं कि भारतवासियों के दिलों में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की भावना को जागृत करेंगे । जग के सारे क्लेशों को मिटाकर धरती को स्वर्ग बनायेंगे । पूरी दुनिया में विश्वबंधुत्व के मूलमंत्र को सरसायेंगे ।

PART - B

1) A	2) A	3) A	4) D	5) D
6) B	7) D	8) C	9) D	10) B
11) B	12) B	13) A	14) B	15) D
16) B	17) A	18) B	19) A	20) A

4. कण - कण का अधिकारी

PART - A

I. 1. परिश्रमी व्यक्ति को पीछे नहीं रहना चाहिए ।
2. विजीत प्रकृति से पहले मेहनती को सुख पाने देना चाहिए ।
3. मनुज मात्र का धन प्रकृति मे स्थित सभी चीजों में है ।
4. दुख
5. यह पद्यांश कण-कण का अधिकारी कविता से ली गयी है ।

II. 1) A 2) B 3) C 4) A 5) B

III.1.
- श्रमिकों की उन्नति ही देश की उन्नति है । इसमें कोई संदेह नहीं है ।
- इसके कई कारण इस कथन का समर्थन कर सकते हैं ।
- श्रमिक शक्ति के सहारे ही देश में वस्तुओं की उत्पत्ति होती है ।
- उन वस्तुओं को देश-विदेशों में बेचें तो विदेशी मारक द्रव्य आता है ।
- विदेशी मारक द्रव्य से व्यक्तिगत आय बढ़ता है ।
- व्यक्तिगत आय बढने से जातीय आय भी बढता है ।
- देश की उन्नति में श्रामिकों का बडा हाथ है ।
- इसलिए श्रमिकों की उन्नति के लिए सरकार को विविध कार्यक्रम चलाना चाहिए ।
- श्रमिकों को ही पहले-पहल सुख पाने देना चाहिए ।
- श्रमिकों का देख-रेख, स्वास्थ्य आदि पर सरकार को ध्यान रखना चाहिए ।
- श्रमिक जो हैं वे काल्पनिक जगत को साकार करने वाले हैं ।
- श्रमिकों को अच्छे-से अच्छे वेतन देना है ।

- ✦ श्रमिकों के बिना यह संसार में प्रगति अधूरी है । इसलिए हम कह सकते हैं कि श्रमिकों की उन्नति ही देश की उन्नति है । क्योंकि जिस देश में श्रमिक अच्छा जीवन बिताते हैं, उन्नति पाते हैं, उस देश की उन्नति होगी ।

2. पृथ्वी मानव की श्रमशक्ति और भुजशक्ति के सम्मुख झुक जाती है । कार्यशील के प्रति सब लोग विनम्र होते हैं ।

PART - B

1) A	2) A	3) B	4) A	5) B
6) D	7) A	8) A	9) B	10) C
11) B	12) A	13) C	14) A	15) D
16) B	17) D	18) B	19) C	20) B

5. लोकगीत

PART - A

I. 1. पहले शास्त्रीय संगीत के सामने लोकगीत को हेय समझा जाता था ।
2. आजकल साहित्य और कला के क्षेत्रों में भी परिवर्तन हुआ है ।
3. अभी हाल तक लोकगीतों की उपेक्षा होती थी ।
4. अनेक लोगों विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों का संग्रह कर रहे हैं ।
5. इस गद्यांश के लेखक भगवतशरण उपाध्याय जी हैं ।

II. 1) B 2) C 3) B 4) B 5) A

III.1. गाँव के लोकगीतों के कई प्रकार हैं । यह सच है । जीवन में जहाँ स्वेच्छा होती है, वहाँ खुशी होती है । असंख्य लोकगीत संबंधित इलाके के स्वेच्छा-जीवन के प्रतीक हैं । असंख्य लोकगीत जिस प्रांत के हों, वे उस प्रांत के स्वेच्छा जीवन के दर्पण हैं ।

2. भारत में स्त्रियों के लोकगीत अनंत हैं । इनको अधिकतर स्त्रियाँ ही लिखती हैं और गाती हैं । मर्द भी इनको रचते हैं और गाते हैं । इन गीतों का संबंध भी विशेषतः स्त्रियों से है । संसार के अन्य देशों में स्त्रियों के अपने गीत मर्दों या जनगीतों से अलग और भिन्न नहीं हैं । ये मिले-जुले ही हैं । इस दृष्टि से, इस दिशा से भारत सभी देशों से भिन्न है । यही भारतीय स्त्रियों के लोकगीतों की विशेषता है ।

PART - B

1) B	2) C	3) D	4) B	5) D
6) C	7) B	8) C	9) D	10) A
11) C	12) C	13) B	14) A	15) B
16) D	17) C	18) A	19) B	20) C

6. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी

PART - A

I. 1) A 2) B 3) C 4) D 5) A

II. 1. हिंदी सरल और सुबोध भाषा है ।
2. संसार में हिंदी भाषा का द्वितीय स्थान है ।
3. हिंदी भाषा का गहरा संबंध हमारी संस्कृति और सभ्यता के साथ है ।
4. हिंदी भाषा वैज्ञानिक और तकनीकी के रूप में विकास हो रहा है ।
5. राष्ट्रीय शब्द में प्रत्यय शब्द है - ईय ।

III.1. देश के वर्तमान और भविष्य को ध्यान में रखकर भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 343 (1) के अंतर्गत हिंदी को 14 सितंबर, 1949 को राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया है । उसकी यादगार में और उसको आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तब से हम हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते हैं ।

2. हिंदी से संबंधित पर्व दो हैं - (1) हिन्दी दिवस हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है । (2) विश्व हिंदी दिवस हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है ।

PART - B

1) B	2) D	3) C	4) D	5) A
6) D	7) A	8) D	9) A	10) C
11) C	12) A	13) D	14) D	15) D
16) C	17) C	18) D	19) D	20) A

❖ ❖ ❖ ❖ ❖